5/12/2019----सहपीडिया धाई नृत्य (बुंदेलखंड) (Companion Congratulations Dancing (Bundelkhand) – Culture)- Translation in Hindi, Kannada, Malayalam, Marathi, Punjabi, Sindhi, Sindhi, Tamil, Telgu - Examrace----Downloaded from examrace.com

Visit examrace.com for free study material, doorsteptutor.com for questions with detailed explanations, and "Examrace" YouTube channel for free videos lectures

Examrace

Examrace 463K

Login & Manage

सहपीडिया धाई नृत्य (बुंदेलखंड) (Companion Congratulations dancing (bundelkhand) – Culture)

• यह एक ओपेन ऑनलाइन पोर्टल (प्रवेशदव्ार) है जिसके माध्यम से भारत और दक्षिण एशिया में ऐसी सांस्कृतिक उपलब्धियों को पहचान और मान्यता प्रदान की जाएगी जो अब तक लोगों के आकर्षण का केंद्र नहीं रही है।

• ʼसहʼ का तात्पर्य है साथ-साथ; जबकि ʼपीडियाʼ शब्द ग्रीक भाषा से लिया गया है जिसका अर्थ है-सांस्कृतिक शिक्षा।

• विकिपीडिया के अनुरूप डिज़ाइन की गयी यह मुफ्त साइट (घटनास्थल) सामाजिक जीवन के प्रत्येक क्षेत्र से लोगों को योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

वेबसाइट की विषयवस्तु को 10 श्रेणियों में बांटा गया हैं:

1. ज्ञान परंपरा
2. भौतिक और दृश्य कला
3. निष्पादन कलाएँ
4. प्राकृतिक वातावरण
5. निर्मित विरासत
6. सांस्कृतिक संस्थायें
7. व्यक्तित्व
8. प्रथायें और अनुष्ठान
9. साहित्य और
10. भाषा

• विकिपीडिया (जहाँ किसी भी व्यक्ति को अपना योगदान देने की स्वीकृति होती है) के विपरीत सहपीडिया पर किसी व्यक्ति दव्ारा प्रस्तुत आलेख अथवा दी गयी सूचना की जाँच उस क्षेत्र के एक विशेषज्ञ दव्ारा की जायेगी। ऐसे आलेख/सूचना के सत्यापन व संशोधन के पश्चात उसे प्रकाशित किया जाएगा।

• रामलीला, कपड़े की अजरक छपाई कला जैसे सांस्कृतिक विषयों पर सहपीडिया अन्य संगठनों के साथ गठबंधन के माध्यम से विशिष्ट कार्यक्रम और कार्यशालाओं का आयोजन करेगा।

बधाई नृत्य (बुंदेलखंड) (Congratulations Dancing (Bundelkhand) – Culture)

Visit examrace.com for free study material, doorsteptutor.com for questions with detailed explanations, and "Examrace" YouTube channel for free videos lectures

- बधाई, मध्य प्रदेश तथा विशेष रूप से बुंदेलखंड क्षेत्र में प्रचलित सर्वाधिक लोकप्रिय लोक नृत्यों में से एक है।
- बधाई नृत्य शीतला देवी को धन्यवाद देने और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिया किया जाता है।
- इस नृत्य के अंतर्गत किये जाने वाले धन्यवाद अथवा बधाई के इस विशेष प्रदर्शन के कारण ही इस नृत्य का नाम बधाई पड़ा हैं।
- बधाई नृत्य में पशु भी हिस्सा लेते हैं और कई गांवों में घोड़ी के दव्ारा भी इस नृत्य को प्रदर्शित किया जाता हैं।
- इस नृत्य में ढपला, रंतूला, लोटा और अलगोजा जैसे वाद्ययंत्रों का प्रयोग होता है।